

दिनांक 03/01/25 को पेश हो

03/01/25

पत्रावली पेश हुई। अधिकृत

उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली वाति

आदेशार्थ पेश हुई है। • अधिकृत

प्राथी का वाद में पेश विद्वा

प्रा० पत्र स्वीकार होने से मूलवाद

खारिज हो चुका है। अतः इस

पत्रावली को आगे चलाने का

कोई औचित्य नहीं है, पत्रावली की

कार्यवाही ड्राप की जाती है।

इस पत्रावली में संलग्न विविध

प्रार्थना-पत्र उक्तानुसार निस्तारित

समझे जावे।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दर्ज

नम्बर से कम हो, दाखिल दफ्तर

है। श.

सहायक कलक्टर  
जयपुर शहर प्रथम